



CLASS: III

SESSION NO : 3

SUBJECT : Hindi

CHAPTER NAME : एक दुनिया रचें

SUB TOPIC – विश्लेषण, शब्दार्थ, वाक्य निर्माण

CHANGING YOUR TOMORROW

सीखने का उद्देश्य:

कविता के माध्यम से बच्चों में नैतिक शिक्षा का संचार कराना तथा साथ में पाठ में छुपे नए शब्दों के अर्थ से भली भाँती परीचित करवाना।

1 एक दुनिया रचें

चिंतन-मनन

यह दुनिया बहुत बड़ी है। यहाँ विभिन्न तरह के लोग रहते हैं। हमें सबके साथ मिलजुलकर रहना चाहिए। दुनिया में हमें प्रेम और एकता का संदेश देना चाहिए।

एक दुनिया रचें आओ हम प्यार की।
जिसमें खुशियाँ ही खुशियाँ हो संसार की।
एक धरती ने हमको दिया है जनम,
एक धरती के बेटे हैं हम, मान लें।
अजनबी हों भले हाथ अपने मगर,
गरमियाँ एक-दूजे की पहचान लें।
तोड़ डालें ये दीवारें बेकार की,
धूप गोरी है क्यों, रात काली है क्यों,
इन सवालों का कुछ आज मतलब नहीं।



बाँट दें जो बिना बात इनसान को,
उन खयालों का कुछ आज मतलब नहीं।
जोड़कर हर कड़ी टूटते तार की,
एक दुनिया रचें आओ हम प्यार की।

-रमेश तैलंग

सरल भाषा में पंक्तियों के भावार्थ

1. एक दुनिया रचें आओ हम प्यार की,
जिसमें खुशियाँ ही खुशियाँ हो सारे संसार की ।

भावार्थ- इस पंक्ति में कवि बच्चों से एक प्यार भरी दुनिया बनाने को कह रहे हैं जिसमें प्यार और ढेर सारी खुशियाँ हो ।

2. एक धरती ने हमें दिया है जनम,
एक धरती की बेटे, हम मान लें ।

भावार्थ- इस पंक्ति के माध्यम से कवि हमें यह समझाना चाहते हैं कि इस एक धरती ने हम सब को जन्म दिया है, इस वजह से हम सब इस धरती माता की संतान हैं ।



3 - अजनबी हों भले हाथ अपने मगर गर्मियां एक दूजे के पहचान लें ।

भावार्थ- कवि इस कविता के माध्यम से हमें यह बताना चाहते हैं कि भले ही हम एक दूसरे को नहीं जानते हैं पर हम सबके अंदर बहता हुआ खून एक है. हम सब एक धरती के संतान हैं. इसलिए सब हमारे अपने हैं ।



4. तोड़ डालें यह दीवारें बेकार की,
धूप गोरी है क्यों, रात काली है क्यों ।

भावार्थ- इस पंक्ति में कवि हमें यह बताना चाहते हैं कि इस संसार में हर प्राणी एक समान है न कोई छोटा है न कोई बड़ा। इंसान में जो काले गोरे का भेद भाव है वह बेमतलब का है। हम एक धरती माता का संतान हैं। इसलिए हमें इस भेदभाव रूपी दीवार को तोड़ देना चाहिए।



5. बाँट दे जो बिना बात की इंसान को,
उन खयालों का कोई मतलब नहीं ।

भावार्थ- इस पंक्ति के माध्यम से कवि हमें यह समझाना चाहते हैं कि ईश्वर ने प्यार से इस दुनिया को हमारे लिए बनाए हैं ईश्वर ने हमारे बीच कभी कोई भेदभाव नहीं किए। फिर हम क्यों अपने बीच भेदभाव करें। हमें उन भावनाओं को मिटा देना चाहिए जो हमारे बीच भेदभाव पैदा करें। ताकि हम सब इस सुंदर संसार को उपभोग कर सकें।



6. जोड़कर हर कड़ी टूटते प्यार की,
आओ रचे एक दुनिया प्यार की ।

भावार्थ- इस कविता में कवि ऐसे दुनिया की कल्पना की है, जहां चारों ओर खुशियाँ हो न कोई भेद भाव न कोई पराए अपना ना कोई छोटा बड़ा, सब एक समान हो ।



कक्षा- कार्य
१३.०४.२१
मंगलवार

कठिन शब्द तथा उनके अर्थ

दुनिया	—	संसार
विभिन्	—	अलग-अलग तरह के
नू	—	पुत्र
बेटे	—	
एक दूजे के	—	एक दूसरे के लिए
मिलजुल कर	—	एक साथ

कठिन शब्द तथा उनके अर्थ

अजनबी	—	जिन्हें हम जानते पहचानते नहीं
बेकार	—	व्यर्थ
ख्याल	—	विचार
दीवारें	—	दीवाल
सवाल	—	प्रश्न
रचें	—	रचना
कड़ी	—	श्रृंखला

वाक्य निर्माण(मौखिक प्रश्न उत्तर कार्यक्रम) दिए गए शब्दों से सोचकर सही वाक्य बनाओ।

() समय-

() पाठशाला-

() मदद-

() कोशिश-

() मित्र-

() अध्यापक-

() पुलिस-

() गाँव-

() पुस्तक-

() कमजोर-

() समझदार-

गृह कार्य
१३.०४.२१
मंगलवार

गृह कार्य

एक दुनिया रचें कविता को अच्छे से याद करें

अध्ययन के परिणाम

एक दुनिया रचें कविता के पंक्तियों के अर्थ को
अच्छी तरह से समझना ।

THANKING YOU
ODM EDUCATIONAL GROUP